| ID         | 0101 |
|------------|------|
| Occupation |      |
| Gender     |      |
| Age        |      |

| সন্ধ্যার বেশি দেরি নাই, দিগন্তব্যাপী ফুলকিয়া বইহারের পশ্চিম প্রান্তে একেবারে সবুজ বনরেখার মধ্যে ডুবিয়া টক্টকে রাঙা প্রকাণ্ড বড় সূর্যটা<br>অস্ত যাইতেছে। এখানকার এই সূর্যাস্তণ্ডলি–বিশেষত এই শীতকালে–এত অদ্ভূত সুন্দর যে এই সময়ে মাঝে মাঝে আমি মহালিখারূপের<br>পাহাড়ে সূর্যাস্তের কিছু পূর্বে উঠিয়া বিশ্ময়জনক দৃশ্যের প্রতীক্ষা করি। |  |  |  |  |  |
|--|--|--|--|--|--|
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |